साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025: भाषाई विविधता और सांस्कृतिक पुनर्गठन का संगम

UPSC प्रासंगिकता - प्रारम्भिक परीक्षा: भारतीय साहित्य, संस्थान और पुरस्कार, समसामयिक घटनाएँ
मुख्य परीक्षा - GS पेपर I: भारतीय संस्कृति, आधुनिक भारतीय साहित्य; GS पेपर II: शासन और सरकारी नीतियाँ

चर्चा में क्यों?

16 मार्च 2026 को भारत की बहुभाषी पहचान और साहित्यिक उत्कृष्टता को अक्षुण्ण रखने वाली संस्था, साहित्य अकादमी ने वर्ष 2025 के लिए अपने वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। यह घोषणा न केवल साहित्यिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह उन प्रशासनिक बदलावों का भी संकेत है, जो देश की सांस्कृतिक संस्थाओं के 'पुनर्गठन' के रूप में सामने आ रहे हैं। 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को सम्मानित करने वाला यह पुरस्कार भारत की 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को शब्द प्रदान करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

साहित्य अकादमी की स्थापना और इसके पुरस्कारों का इतिहास भारत की बौद्धिक यात्रा का दर्पण है:

- **स्थापना:** साहित्य अकादमी का उद्घाटन 12 मार्च, 1954 को भारत सरकार द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य भारतीय साहित्य के उच्च मानकों को प्रोत्साहित करना और वि भिन्न भाषाओं के बीच समन्वय स्थापित करना है।
- **प्रथम पुरस्कार:** पुरस्कारों की स्थापना 1954 में हुई थी और पहली बार ये 1955 में प्रदान किए गए थे।
- **पुरस्कार की प्रकृति:** प्रारंभ में पुरस्कार राशि 5,000 रुपये थी, जिसे समय-समय पर बढ़ाया गया। वर्तमान में विजेताओं को 1 लाख रुपये, एक उत्कीर्ण तांबे की पट्टिका और एक शॉल प्रदान की जाती है। इस पट्टिका का डिज़ाइन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सत्यजीत रे द्वारा तैयार किया गया था।
- **मान्यता प्राप्त भाषाएं:** अकादमी संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी और राजस्थानी सहित कुल 24 भाषाओं में पुरस्कार प्रदान करती है।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025: प्रमुख विजेता सूची

भाषा	विजेता का नाम	कृति (पुस्तक)	विधा
अंग्रेजी	नवतेज सरना	क्रिमसन स्प्रिंग	उपन्यास
हिन्दी	ममता कालिया	जीते जी इलाहाबाद	संस्मरण
तमिल	सा तमिलसेल्वन	थमिज़ सिरुकाथैयिन थदंगल	साहित्यिक आलोचना
बंगाली	प्रसून बंद्योपाध्याय	श्रेष्ठ कबिता	कविता
गुजराती	योगेश वैद्य	भट्टखड़की	उपन्यास
कन्नड	अमरेश नुगादोनी	दादा सीरिसु तंदे	कहानी संग्रह
मलयालम	एन. प्रभाकरन	मायामानुष्यर	उपन्यास
मराठी	राजू बाविस्कर	कल्याणील्या रेशा	कविता
तेलगु	नंदिनी सिद्धा रेड्डी	अनिमेष	कविता
पंजाबी	जिदर	सेफ्टी किट	कहानी संग्रह
राजस्थानी	जितेंद्र कुमार सोनी	भरखामा	कविता

(नोट: अकादमी के अनुसार, कुल 8 कविता संग्रह, 4 उपन्यास, 6 कहानी संग्रह, 2 निबंध, 1 आलोचना, 1 आत्मकथा और 2 संस्मरणों को इस वर्ष सम्मानित किया गया है।)

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com

संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु:

1. पुनर्गठन और प्रशासनिक स्वायत्तता

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा पुरस्कारों की घोषणा को स्थगित करना और "पुनर्गठन" की बात करना एक महत्त्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव का संकेत है। इसके तहत सरकार पुरस्कार चयन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहती है। हालाँकि, विद्वानों का एक वर्ग इसे अकादमिक संस्थानों की स्वायत्तता पर प्रभाव के रूप में भी देखता है।

2. विधाओं की विविधता

- 2025 के पुरस्कारों में 'संस्मरण' (ममता कालिया) और 'साहित्यिक आलोचना' (सा तमिलसेल्वन) को उच्च स्थान मिलना यह दर्शाता है कि भारतीय साहित्य अब केवल काल्पनिक कथाओं तक सीमित नहीं है। संस्मरणों के माध्यम से सामाजिक और ऐतिहासिक वास्तविकताओं को दर्ज करने की परंपरा को मजबूती मिली है।

3. क्षेत्रीय भाषाओं का सशक्तिकरण

- साहित्य अकादमी का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह मुख्यधारा की भाषाओं (जैसे हिन्दी , अंग्रेजी) के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं (जैसे डोगरी, मैथिली, कोंकणी आदि) को भी वैश्विक पहचान दिलाती है। यह भारत की सांस्कृतिक बहुलतावाद (Cultural Pluralism) को संरक्षित करने का एक उपकरण है।

साहित्य अकादमी चयन के मुख्य मापदंड:

1. प्रकाशन की समय-सीमा

➢ पुरस्कार के लिए विचार की जाने वाली पुस्तक पुरस्कार वर्ष से तत्काल पूर्व के 5 वर्षों की अवधि के दौरान प्रकाशित होनी चाहिए।

2. रचना की मौलिकता

➢ पुरस्कार केवल मूल रचना के लिए दिया जाता है। किसी दूसरी भाषा से किया गया अनुवाद , संकलन या किसी अन्य लेखक की कृति का संपादित रूप इस श्रेणी में पात्र नहीं होता है।

3. साहित्यिक विधा

➢ कृति एक विशिष्ट साहित्यिक विधा के अंतर्गत आनी चाहिए, जैसे- कविता, उपन्यास, लघु कथाएँ, नाटक, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, साहित्यिक आलोचना या निबंध। अकादमी शोध-प्रबंधों (Ph.D. Thesis) को सामान्यतः इस श्रेणी में नहीं रखती।

4. लेखक की पात्रता

- लेखक को अनिवार्य रूप से भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- यदि किसी लेखक को एक बार साहित्य अकादमी पुरस्कार मिल चुका है, तो वह दोबारा उसी भाषा या किसी अन्य भाषा में इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होता।
- मरणोपरांत पुरस्कार केवल तभी दिया जाता है यदि लेखक की मृत्यु उस पुस्तक के प्रकाशन के बाद या पुरस्कार की घोषणा के बहुत निकट हुई हो।

5. भाषाई शुद्धता और योगदान

➢ कृति को उस संबंधित भाषा के साहित्य और भंडार में महत्त्वपूर्ण वृद्धि करने वाला माना जाना चाहिए। इसमें भाषा की शुद्धता, शैलीगत नवाचार और विषय-वस्तु की गहराई को परखा जाता है।

6. विवाद और कॉपीराइट

➢ पुस्तक किसी भी प्रकार के कानूनी विवाद या कॉपीराइट उल्लंघन से मुक्त होनी चाहिए। यदि किसी कृति पर साहित्यिक चोरी का संदेह होता है, तो उसे प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

7. जूरी की सर्वसम्मति

- अंतिम चयन तीन सदस्यीय जूरी द्वारा किया जाता है। चयन का आधार या तो सर्वसम्मति होता है या फिर बहुमत। यदि जूरी को लगता है कि उस वर्ष की कोई भी पुस्तक मानक के अनुरूप नहीं है, तो वह 'नो अवार्ड' की सिफारिश भी कर सकती है।

निष्कर्ष और आगे की राह:

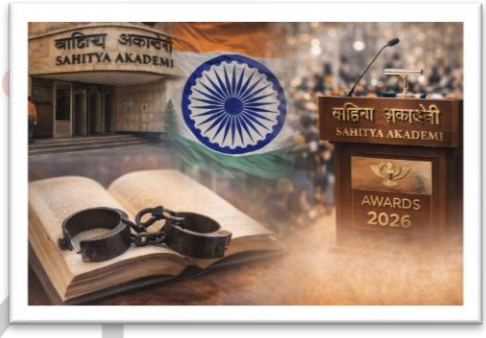

साहित्य अकादमी पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि भारतीय समाज की अंतरात्मा का प्रतिबिंब हैं। मंत्रालय द्वारा किए जा रहे पुनर्गठन का उद्देश्य यदि चयन प्रक्रिया को और अधिक समावेशी और निष्पक्ष बनाना है, तो यह स्वागत योग्य कदम है। हालाँकि, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि साहित्य की 'रचनात्मक स्वतंत्रता' किसी भी प्रशासनिक दबाव से मुक्त रहे। 31 मार्च 2026 को होने वाला पुरस्कार समारोह भारतीय मेधा के सम्मान का एक नया अध्याय लिखेगा।

(स्रोत: द हिन्दू)

यूपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. साहित्य अकादमी पुरस्कारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पुरस्कार केवल भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भाषाओं में ही प्रदान किया जाता है।
2. पुरस्कार के लिए चुनी गई पुस्तक अनिवार्य रूप से पुरस्कार वर्ष से ठीक पहले के पांच वर्षों की अवधि के भीतर प्रकाशित होनी चाहिए।
3. साहित्य अकादमी एक स्वायत्त संस्था है, जिसका उद्घाटन 1954 में भारत सरकार द्वारा किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 3

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

उत्तर: (C)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. साहित्य अकादमी पुरस्कार भारत में ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद दूसरा सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान माना जाता है।
2. यदि जूरी को उस वर्ष की कोई भी पुस्तक मानक के अनुरूप नहीं लगती है, तो वह 'नो अवार्ड' की सिफारिश कर सकती है।
3. मरणोपरांत पुरस्कार केवल तभी दिया जाता है यदि लेखक की मृत्यु पुरस्कार की घोषणा के बाद हुई हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3
उत्तर: (B)

IAS-PCS Institute

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न. "भारतीय साहित्य के वैश्विक प्रसार में अनुवाद की कमी और क्षेत्रीय भाषाओं के सीमित बाजार सबसे बड़ी बाधा हैं।" साहित्य अकादमी की भूमिका पर विचार करते हुए चर्चा कीजिए कि कैसे ये पुरस्कार भारतीय भाषाई विविधता को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने में सहायक हो सकते हैं? **(250 शब्द)**

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806